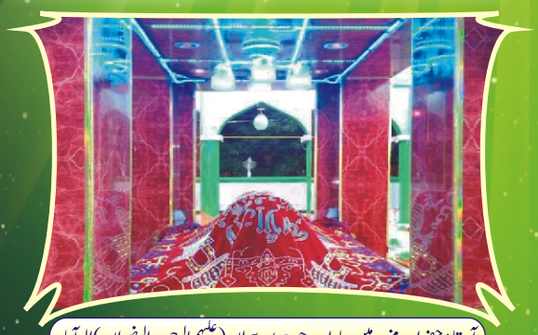

www.syed14peer.com

७८६/९२

नक़्शे तहफ़्फ़ुज़ रूहानी व हल्लुल मुश्किलात

इस नक़्श को देखने वाले की हर मुश्किल हल होगी इन्शाअल्लाह

सलामे मोहम्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत

अस्सलामुल्लुम्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़्ति
सलामे मोहम्मदी चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत 15

पेशकश

बमौक़ा जमादीयुल्अव्वल 1438हि०
बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोहयुद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व हज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ ﷺ

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

2

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्लाहुम्म ल कल ह़म्दुल मालिकुल हादियु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि सर्मदवँ व सल्लिम सलामन दाइमन अ़ला मौलाई मालिकि कुल्लि मुल्कि क व मुल्कि रुसुलि क व कुल्लि मुल्कि हुदा क व आलाइ क व मअवा कुल्लि अ़वालिमि क व मौलल मलाइकि कुल्लिहिम व लम्इ कुल्लि मुह़ामिदि क व हु व रसूलुकल मालिकुल हादियु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि व सा र वालिदुहू अहदल वालिदि वउम्मुहू अहदल उम्मि वआलुहू अहदल आलि व अ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालियिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि व आलिही व कुल्लि उममि रसूलिल्लाहि अ़ द द कुल्लि कलामिल्लाहि कुल्लल ह़ालि ।

3

मुराद: अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे अल्लाह, सारा ह़म्द अल्लाह ही के लिए है वही मालिको हादी है, वाह़िद अल्लाह ही इलाह है सर्मदी दुरूद और दाइमी सलाम हमारे मौला अल्लाह के सारे मुल्क के मालिक के लिए हो और रसूलों के मुल्कों के मालिक के लिए हो और अल्लाह के मुल्के हुदा के मालिक के लिए हो, अ़ताए इलाही के मुल्क के मालिक के लिए हो सारे आ़लम के मावा के लिए हो सारे मलाइका के मौला के लिए हो और अल्लाह के सारे ह़म्द वालों की दमक के लिए हो और वह अल्लाह के मुल्क का मालिको हादी रसूल मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद कमाल राहे हुदा वाले हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारी आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम मअ़ अ़ददे कलामे इलाही के ।

4

तौज़ीह़ी तर्जमा:- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है ऐ हमारे अल्लाह तेरे ही लिए तमाम तअ़रीफ़ है तूही मालिक है हिदायत देने वाला है, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू भेज ख़ूब ख़ूब सर्मदी दुरूद और दाइमी सलाम हमारे मौला अपने सारे मुल्क के मालिक पर तेरे रसूलों के मुल्कों के मालिक पर और तेरी हिदायत के तमाम मुल्कों के मालिक पर और तेरी तमाम नेअ़मतों के मुल्क के मालिक पर और तेरे सारे जहान की पनाह गाह पर और तमाम फ़िरिश्तों के आक़ा पर और तेरी तमाम तअ़रीफ़ करने वालों के नूर पर और वह तेरे मुल्क के मालिक सीधी राह चलाने वाले रसूल मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद(सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु) तमाम वालिद में सब से ज़्यादा हिदायत वाले हैं और जिनकी माँ (बी बी आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सब से ज़्यादा हिदायत वाली हैं और जिनकी आलो औलाद तमाम आलो औलाद में सब से ज़्यादा हिदायत वाले हैं और (दुरूदो सलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ातेमा ज़हरा रदि़यल्लाहु अ़न्हा

5

पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम कलामे इलाही की तअ़दाद के मुताबिक़।

फ़ज़ीलत सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत

जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना १००/११/५ बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की ख़ुशनूदी ह़ासिल होगी नीज़ उसे अहले बैत की शफ़्क़तो मोह़ब्बत ह़ासिल होगी और अगर सात हज़ार बार पढ़े तो आलमे अर्वाह़ बिल्ख़ुसूस इमामे ग़ज़ाली अ़लैहिर्रह़मा के फ़ैज़ान से नवाज़ा जाएगा और जुम्रए सुल्ह़ा में उस का शुमार होगा ईमान पर ख़ातेमा होगा और वह नफ़्से मुज़क्का व क़ल्बे मुसफ़्फ़ा व रूहे मुतजल्ला की नेअ़मत से बहरेमन्द होगा और वह अ़ज़ाबे दहरो क़ब्रो ह़श्र से महफ़ूज़ रहेगा। इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

नोट:- आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ ﷺ से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन "दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ अस्रारे "मीम ह़ा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम" वग़ैरह www.syed14peer.com पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं। Mo. 9695435877